an>

Title: Issue regarding death of 4 persons by the consumption of packed milk in Anganwadi centre in Mathura.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): सभापति जी, मैं आपका अत्यंत आभारी हूँ कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया। मैं एक अत्यंत ही लोमहर्षक और दुखद घटना के संबंध में आपके माध्यम से सरकार को संज्ञानित करना चाहता हूँ। कल मथुरा में प्राथमिक विद्यालय में और वहाँ के आंगनवाड़ी केन्द्र में अक्षय पात्र द्वारा मिड डे मील के अंतर्गत जो पैक्ड दूध दिया जाता है, मध्याह्न भोजन दिया जाता है, आवासीय कांशीराम योजना के 70 बच्चे जो उस विद्यालय में पढ़ रहे थे, उन बच्चों के बीच में अक्षय पात्र के द्वारा पैक्ड दूध दिया गया। तीन बच्चों की तत्काल मौत हो गई, एक आंगनवाड़ी सहायिका की मौत हो गई और 45 बच्चे अस्पताल में जीवन-मौत से जूझ रहे हैं। आखिर इस घटना का ज़िम्मेदार कौन है? आखिर उन बच्चों का गुनाह केवल यह था कि वह अक्षयपात्र या भारत सरकार द्वारा दिए गए पैसे, जो राज्य को दिए गए थे, जिस राज्य का दायित्व था कि उनको गुणवत्तापरक दूध दिया जाए, जो दूध उनकी ज़िन्दगी के लिए पुÂष्टाहार साबित होता, जो दूध उन बच्चों को स्कूल में आने के लिए प्रेरित करने का एक संबल बनना चाहिए, वही दूध मौत का कारण बन गया, माँ की गोदें सूनी हो गई, और एक सहायिका नहीं रही। इस तरह से चार लोगों की मौत निश्चित रूप से अत्यंत दुखद है। जो लोग इसके लिए जिम्मेदार हैं, उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। इस पूरी घटना को लेकर स्थिति अत्यंत विस्फोटक है और लोगों में रोÂा है। मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूँ कि मृतक के परिवार आश्रितों को कम से कम दस-दस लाख रुपये दिये जाने चाहिए । ...(व्यवधान) आगे भी इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं हो। ...(व्यवधान)

माननीय सभापति : श्री पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल एवं श्री शरद त्रिपाठी को श्री जगदम्बिका पाल द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।